विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय
रूपम कुमारी ,वर्ग -सप्तम्, विषय -हिंदी
दिनांक 7-9- 2020

based on NCERT pattern

|| ***अध्ययन -सामग्री ||***

सुप्रभात बच्चों ,

पिछली कक्षा में आपने पाठ 8 के कठिन शब्दों को जाना तथा कवि परिचय से अवगत हुए । आज की कक्षा में वृंद के दोहे का भावार्थ आप को समझाने जा रही हूं ......

भावार्थ -

जो जाको गुन जानही,सो तिहि आदर देत ।
कोकिल अंबहि लेत है ,काग निबौरी हेतु ।।

अर्थ- इन पंक्तियों के द्वारा कवि कह रहे हैं कि जो व्यक्ति जिसके गुण जानता है ,वह उसे आदर देता है । संसार में विवेकशील प्राणी होता वह दूसरों की प्रतिभा को सम्मान देता है सही उपयोग करता है ।

जैसे कोयल आम के स्वाद को जानता है तो, उसके मिठास का आनंद ले सकता है तथा उसकी खूब जानता वह यह समझता है कि आप सारे फलों में श्रेष्ठ लेकिन हुआ बुद्धिमान पहचान नहीं करता उसे वस्तुओं की परख नहीं होती तो वह निबोरी खाकर ही संतोष करता वह उसी के स्वाद को जानता है ।।